# तुम्हे नाथ नहीं भूलू | By Pt. Rishi Mishra & Bulbul Agarwal

इतनी किरपा करना तुम्हे नाथ नहीं भूलू
मैं तेरी बदौलत हूँ ये बात नहीं भूलू

खुशियों के उजाले में सब साथ निभाते हैं
जब रात हो गम की तो कोई नज़र ना आते हैं
उस वक़्त दिया तुमने मेरा साथ नहीं भूलू
इतनी किरपा करना तुम्हे नाथ नहीं भूलू

कितने ही अपनों से तुमने मिलवाया है
नफरत के पुतले को प्रभु प्रेम सिखाया है
जो तुमसे भरे दिल में जज्बात नहीं भूलू
इतनी किरपा करना तुम्हे नाथ नहीं भूलू

अपनों की भीड़ में जब तन्हाई ने घेरा था
कहने को थे सब अपने पर कोई ना मेरा था
तुमने ही रखा उस पल सर पे हाथ नहीं भूलू
इतनी किरपा करना तुम्हे नाथ नहीं भूलू

बेकार था बेबस था गुमनाम जहाँ में था
सोनू मुझे याद रहे था कौन कहाँ मैं था
कितना ही नाम मिले औकात नहीं भूलू
इतनी किरपा करना तुम्हे नाथ नहीं भूलू

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a5%82-by-pt-rishi-mishra-bulbul-agarwal/